ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–16
दिनांक– मंगलवार, 27 फरवरी, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.9 एवं 12.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 47 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.5 एवं दोपहर में 30.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28 फरवरी–03 मार्च, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28 फरवरी–03 मार्च, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते है। आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। 2 मार्च के बाद उत्तर बिहार के जिलों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 14–17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 7–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। 2–3 मार्च को पूरवा हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए 2 मार्च के पहले तैयार सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खोदाई कर लें।
- बढ़ते तापमान को देखते हुए खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गेहूँ की फसल जो फूल तथा दूध भरने की अवस्था में है उसमें सिंचाई करें। अगर सिचाई अतिआवश्यक नहीं है तो वर्षा की सम्भावना को देखते हुए 2 मार्च तक स्थगित कर दें।
- गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हों। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 10–15 टन गोबर की खाद, 50 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1,2,3,4 एवं शक्तिमान 5 किस्में अनुशंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पुर्व खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्त्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- सुर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पुर्व 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- इस मौसम में लाही कीट के विस्तार की संभावना अधिक रहती है। अतः पिछात सरसों, पिछात फूलगोभी, पत्तागोभी अन्य सब्जियों की फसल में इस कीट की निगरानी करें। फसल में इस कीट का प्रकोप दिखने पर बचाव के लिए डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर समान रुप से मौसम साफ रहने पर ही छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल जो दाना बनने से दूध भरने की अवस्था में है, ध्यान दें कि खेत में नमी की कमी नही हो।
- अरहर की फसल में फल–छेदक कीट की निगराणी करे। इस कीट के पिल्लू अरहर की फलियों में घुसकर बीजों को खाती है, जिससे उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- पिछात आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।
- हरा चारा के लिए ज्वार,मकई और बाजरे की बुआई करे। गरमा मौसम की सब्जियों जैसे भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ आदि की बुआई अविलंब करें। बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें।

आज का अधिकतम तापमानः 26.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)